ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-१२
दिनांक- शुक्रवार,८ फरवरी,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २४.७ एवं ९.७ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८४ सुबह में एवं दोपहर में ५० प्रतिशत, हवा की औसत गति ३.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.१ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १३.७ एवं दोपहर में २२.९ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर बिहार के जिलों में वर्षा रिकार्ड की गयी।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(९ से १३ फरवरी, २०१९)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ९ से १३ फरवरी, २०१९ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर बिहार के जिलों में अगले १२-२४ घंटों तक वर्षा की संभावना बनी रहेगी।
- अधिकतम तापमान २२ से २४ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ८ से १० डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन ५-१० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से ९ फरवरी को पूरवा हवा चल सकती है तथा उसके बाद पछिया हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ९० से ९५ प्रतिशत तथा दोपहर में ५५ से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- रवी मक्का की फसल जिसमें धनबाल एवं मोचा आ गई हो, ५० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन वर्षा के बाद करें।
- पूर्वानुमानित अवधि में अगले १२-२४ घंटों तक वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान हल्दी, ओल की तैयार फसलों की खुदाई एवं राई-सरसों की तैयार फसलों की कटाई १० फरवरी के बाद करें।
- मिर्च की फसल में थ्रिप्स कीट की निगरानी करे। इसके शिशु/वयस्क कीट सैकड़ो की संख्या में पौधो की पत्तियो की निचली सतह पर छिपे रहते हैं और कभी-कभी उपरी सतह पर भी देखे जा सकते हैं। ये पत्तियो, कलियो व फूलो का रस चुसते है। यह कीट मिर्च में बांझी विषाणु रोग फैलाता है। इससे बचाव हेतु इमिडक्लोप्रीड १७.८ ई०सी० का १ मी०ली० या डायमेथोएट ३० ई०सी० का २ मि०ली० प्रति ३ लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव आसमान साथ तथा मौसम शुष्क रहने पर करे।
- मटर में फली छेदक कीट की निगराणी करें। इस कीट के पिल्लू फलियों में जालीनूमा आवरण बनाकर उसके नीचे फलियों में प्रवेश कर अन्दर ही अन्दर मटर के दानो को खाती रहती हैं। एक पिल्लू एक से अधिक फलियों को नष्ट करता है। अक्रान्त फलियाँ खाने योग्य नही रह जाती, जिससे उपज में अत्यधिक कमी आती है। कीट प्रबन्धन हेतु प्रकाश फंदा का उपयोग करें। १५-२० टी आकार का पंछी वैठका (वर्ड पर्चर) प्रति हेक्टर लगावे। अधिक नुकसान होने पर क्वीनालफास २५ ई० सी० या नोवाल्युरॉन १० ई० सी० का १ मि० ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।
- पिछले माह रोपी गई प्याज में खर-पतवार निकालें एवं प्याज में कीट एवं रोग-व्याधि का निरीक्षण करें।

आज का अधिकतम तापमानः २१.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.९ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १०.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.० डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी